Soft Skills

Workshop on Research Base Pedagogical Tools - 10/04/18

दैनिक भास्कर
पटना, बुधवार, 11 अप्रैल, 2018

शिक्षा में नए संसाधनों के साथ पुराने को भी करें यूज़

सीयूएसबी में आईआईएसईआर पुणे के सहयोग से शैक्षणिक तकनीक पर तीन दिवसीय कार्यशाला

सिटी रिपोर्टर | पटना

सीयूएसबी के सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज की ओर से शैक्षणिक तकनीकों पर आधारित तीन दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। सीयूएसबी और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, पुणे के सहयोग से आयोजित कार्यशाला का विषय रीजनल वर्कशॉप ऑन रिसर्च बेस्ड पेडगोगिकल टूल्स है। उद्घाटन करते हुए बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के अध्यक्ष एवं महावीर कैंसर संस्थान एवं रिसर्च सेंटर के अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार घोष ने कहा कि सीखने, जानने, समझने और ज्ञान अर्जित करने की कोई उम्र नहीं होती है। प्रोफेसर घोष ने कहा कि जब हम शैक्षणिक कार्य करें या शोध करें तब नए संसाधनों के साथ-साथ पुराने संसाधनों को भी साथ लेकर चलें, जैसे कंप्यूटर और नई तकनीकों के आविष्कार के बावजूद चॉक, डस्टर और ब्लैकबोर्ड की महत्ता कम नहीं हुई है। आरएन कॉलेज, हाजीपुर के प्राचार्य प्रो. ओपी रॉय ने कहा कि उत्कृष्ट शिक्षण के लिए किसी भी विषय के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पहलुओं को जानना अतिआवश्यक है। सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज के विभागाध्यक्ष डॉ. रिजवानुल हक ने कहा कि इस कार्यशाला से निश्चित तौर पर शिक्षण से जुड़े लाभप्रद संसाधनों के बारे में जानने का मौका मिलेगा। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च पुणे के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन साइंस एंड मैथमेटिक्स एजुकेशन की समन्वयक डॉ. अपूर्व बर्वे ने कहा कि अब तक उनके संस्थान ने देशभर में इस स्तर की 15 कार्यशालाएं आयोजित की हैं, लेकिन बिहार में यह पहली है। यह सीयूएसबी के प्रयास से संभव हो पाया।

सीयूएसबी पटना कैंपस के प्रोफेसर इंचार्ज प्रोफेसर अरुण सिन्हा ने कहा कि यह कार्यशाला अलग है। इससे प्रतिभागी शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों से शिक्षण से जुड़े समकालिक स्वरूप का ज्ञान मिलेगा। कार्यशाला के दूसरे व तीसरे सत्र में अनुभवी ट्रेनरों ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। इनमें दिल्ली विश्वविद्यालय की जूलॉजी की अदिता जोशी, रामजस कॉलेज की चारू डोगरा, कोल्हापुर राजर्षि, छत्रपति साहू कॉलेज के प्रसाद बाथे, सेंट जोसेफ कॉलेज (बेंगलुरु) के सैंड्रा मिस्कुइट, महारानी लक्ष्मी अम्मानी कॉलेज की शर्मिष्ठा साहू शामिल।

प्रभात खबर
prabhatkhabar.com
गया, मंगलवार
19.09.2017

आयोजन. मानव व्यवहार प्रबंधन विषय पर कार्यशाला शुरू

शिक्षक हैं मानव व्यवहार के इंजीनियर : कुलपति

■ **सीयूएसबी के शिक्षा पीठ ने आयोजित किया सात दिवसीय कार्यशाला**

वरीय संवाददाता ▸ गया

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) की शिक्षा पीठ द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एवं टीचिंग योजना के तहत मानव व्यवहार प्रबंधन के विषय पर आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ सोमवार को किया गया. इसका उद्घाटन सीयूएसबी के कुलपति प्रो (डॉ) एचसीएस राठौर ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस दौरान कुलपति ने पंडित मदन मोहन मालवीय का हवाला देते हुए कहा कि शिक्षक मानव व्यवहार के इंजीनियर हैं. मानव व्यवहार को आकार देने में राष्ट्र के आर्किटेक्ट हैं. भारत अपनी संस्कृति व समृद्धि के लिए जाना जाता है. इसके बावजूद हम सभी पश्चिमी संस्कृति का पालन करने की कोशिश कर रहे हैं. ऐसे क्रियाकलापों से हम लगातार अपनी जड़ों से विमुख हो रहे हैं. संस्कृति व समृद्धि को बनाये रखने की जिम्मेदारी शिक्षकों को अपने कंधों पर लेने का समय आ गया है, क्योंकि शिक्षक ही राष्ट्र के प्रभावी निर्माता हैं.

दीप जला कर कार्यशाला का उद्घाटन करते सीयूएसबी के कुलपति प्रो (डॉ) एचसीएस राठौर. साथ हैं प्रो कौशल किशोर व अन्य.

इस दौरान काशी हिंदू विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज के प्रो एसके दूबे ने समय प्रबंधन (टाइम मैनेजमेंट) पर व्याख्यान दिया. उन्होंने कहा कि समय धन है और जिस प्रकार हम धन का प्रबंधन करते हैं, ठीक उसी प्रकार से हमें समय का भी प्रबंधन करना चाहिए. समय के सही प्रबंधन के लिए लक्ष्य और प्राथमिकता को निर्धारित किया जाना चाहिए. उन्होंने प्रबंधन सिद्धांतों व प्रतिदिन की दिनचर्चा में समय का सदुपयोग से संबंधित पहलुओं पर चर्चा की.

इस दौरान सीयूएसबी की शिक्षा पीठ की सहायक प्रोफेसर व कार्यक्रम की समन्वयक डॉ मितांजलि साहू ने कहा कि वर्तमान समय में मानव संसाधन मंत्रालय का उद्देश्य प्रत्येक स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता व साथ-साथ विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में उन्नयन करना है. शिक्षण, सीखने की गुणवत्ता, शिक्षकों व छात्रों के व्यवहार पर निर्भर करती है, जो आयु, बुद्धि, शारीरिक विशेषताओं, व्यक्तित्व, धारणा, रवैया, प्रेरणा, संगठन व नौकरी संबंधी जैसे कई कारकों को प्रभावित करती है. शिक्षण की प्रकृति बहुत कुछ शिक्षक तथा शिक्षार्थी दोनों के व्यवहार, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक वातावरण व समय प्रबंधन पर निर्भर करती है. इसी उद्देश्य से उक्त कार्यशाला का आयोजन किया गया है. डॉ साहू ने टेक्निक्स टू मैनेज टाइम इन क्लासरूम के मुद्दे पर छात्रों व शिक्षकों को टिप्स दिया. इस शिविर में देश के विभिन्न कोने से आये हुए करीब 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया. इस मौके पर डॉ स्वाति गुप्ता, डॉ कविता सिंह, डॉ चंद्र प्रभा, डॉ अवधेश व अभिजीत सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

Workshop on Academic Leadership – 12/ 13/ 2018

आज
पटना
शनिवार, १५ दिसम्बर, २०१८

शैक्षणिक संस्थाओं के नेतृत्व में स्नेह और दूरदर्शिता की जरूरत : प्रो वेदप्रकाश

टिकारी (आससे)। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की महत्वकांक्षी स्कीम पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग के अंतर्गत विश्वविद्यालय/ उच्च शिक्षा के संस्थानों के शैक्षिक प्राधिकारियों के लिए दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा पीठ द्वारा चार दिवसीय अकादमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम (टाइप-एक) का आज शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताते हुए जन संपर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने कहा कि यह कार्यशाला इस दृष्टिकोण के साथ आयोजित किया जा रहा है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में उत्कृष्ट शैक्षिक नेतृत्वशैली का विकास किया जा सके जो उन्हें उनके संस्थानों में जटिल एवं चुनौतियोंपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करने में सक्षम बनाएं। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलन के द्वारा किया हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन प्रोफेसर वेद प्रकाश जी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर हरिश्चंद्र सिंह राठौर ने किया। इस कार्यक्रम के स्वागत उद्बोधन में समन्वयक प्रोफेसर रेखा अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए अकादमिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो0वेद प्रकाश ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था के प्राचीन से लेकर वर्तमान परिदृश्य की चर्चा की। आधुनिक शिक्षा में मात्रात्मक और गुणात्मक परिवर्तनों पर इन्होने ने चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली कुछ संकट से पीड़ित है, ये %पहचान संकट% संसाधन संकट, नेतृत्व का संकट, शासन का संकट और गुणवत्तापूर्ण अकादमिक प्रकाशनों का संकट आदि है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि हमारी प्रणाली शैक्षणिक संस्थानों के राजनीतिकरण, भारतीय उच्च शिक्षा के नौकरशाही, शिक्षकों की भर्ती और छात्रों की

प्रवेश के मामले में बहुलवाद की कमी के साथ भी पीड़ित है। इन समस्याओं का सामना करने के लिए उन्होंने सुझाव दिया कि हमारे सिस्टम को गंभीर सुधार कि आवश्यकता है इसके लिए शिक्षण एवं अधिगम और मूल्यांकन और पाठ्यक्रम कार्यान्वयन में सुधार की जरूरत है। संस्थानों में अच्छे नेतृत्व की विशेषताओं में प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि शैक्षिक संस्थाओं के नेतृत्व में दूरदर्शिता व स्नेह होना चाहिए।

वहीं अध्यक्षीय उदबोधन में विश्वविदयालय के कुलपति प्रो0 हरिश्चन्द्र सिंह राठौर ने अपने प्रशासनिक कार्यकाल के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि नेतृत्व को परिस्थितियों के अनुसार आवश्यक परिवर्तन करते रहना चाहिए तभी उसकी प्रभावशीलता बनी रहेगी। उन्होंने अपने अनुभवों से अपने सम्मुख आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान किया। विश्वविद्यालय के कार्यप्रणाली में सुधार हेतु प्रतिभागी निर्णय के साथ कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी समस्यामूलक पक्षों में एक साथ कभी भी सुधार नहीं किया जा सकता है इसकी अपेक्षा केवल कुछ पक्षों में ही केन्द्रित होकर सफलतापूर्वक कार्यों का संपादन किया जा सकता है। प्रो राठौर ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में विभिन्न कुलगुरू के साथ काम करने के अपने अनुभव साझा किए और उल्लेख किया कि उन्होंने उनके साथ बहुत कुछ सीखा। उन्होंने सभी अतिथि और प्रतिभागियों के सामने अपने विश्वविद्यालय का संक्षिप्त विवरण भी दिया, और अच्छे विश्वविद्यालय की विशेषताओं की व्याख्या की और उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा का लोकतांत्रिकरण भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली की मुख्य समस्या है और उच्च शिक्षा सभी के लिए नहीं है, यह केवल योग्य लोगों के लिए सुलभ होना चाहिए। अंत में, प्रोफेसर राठौर ने कार्यक्रम के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले सभी मेहमानों और प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।कार्यक्रम के पहले दो सत्र प्रोफेसर एन के यादव इंदु कुलगुरु, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड और प्रोफेसर ए एन राय, पूर्व निदेशक, एन.ए.ए.सी. बेंगलुरू ने लिया ने अपने उदबोधन में शिक्षा को सबसे शक्तिशाली हथियार है बताया और कहा कि इसके उपयोग से दुनियामें वांछित परिवर्तन लाये जा सकते है। आज शिक्षा उच्च शिक्षा विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रही है यानी बाजार दबाव बढ़ाना, अवांछित जनादेशों में वृद्धि, सार्वजनिक समर्थन को अस्वीकार करना, विधायी निरीक्षण की उपेक्षा, आदि। वर्तमान समय में, भारतीय विश्वविद्यालयों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि जनसंख्या और भागीदारी, ड्रॉप-आउट दर, सार्वजनिक संस्थानों में आत्मविश्वास संकट, निजी क्षेत्र, एनजीओ की पहल, अंतर्राष्ट्रीयकरण, आर्थिक विकास, शहरीकरण और सामाजिक गतिशीलता, भाषाई विविधता और अंग्रेजी, पाठ्यचर्या और अध्यापन, शासन और उत्तरदायित्व, शिक्षकों और प्रशासकों को शिक्षित करना और सामाजिक न्याय के साथ गुणवत्ता और उत्कृष्टता को संतुलित करना। कार्यक्रम के अंत में, समन्वयक प्रोफेसर रेखा अग्रवाल ने सभी विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों धन्यवाद ज्ञापित किया।

Talk on Leadership by Vice Admiral Shekhar Sinha – 2/5/2019

दैनिक भास्कर गया, बुधवार, 06 फरवरी, 2019

pro@cub.ac.in
Central University of South Bihar

विशेष व्याख्यान • सीयूएसबी में लीडरशिप पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व नौसेना कमांडर वाइस एडमिरल ने लिया हिस्सा

सशक्त बनने को पड़ोसी देशों से बेहतर संबंध जरूरी : शेखर

सिटी रिपोर्टर | टिकारी

भारत को सुरक्षित रखने और देश को आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने के लिए पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध स्थापित करना अति आवश्यक है। हमारा देश एक शक्तिशाली देश के रूप में तभी उभर सकता है जब हम अपने पड़ोसी देशों श्रीलंका, भूटान, बांग्लादेश, नेपाल के साथ-साथ चीन एवं पाकिस्तान से परस्पर राजनयिक रिश्ते मजबूत करेंगे। ये बातें पूर्व नौसेना कमांडर वाइस एडमिरल शेखर सिन्हा ने सीयूएसबी के स्कूल ऑफ साइंस बिल्डिंग के सभागार में मंगलवार को लीडरशिप पर आयोजित विशेष व्याख्यान में दिया।

उन्होंने कहा कि आज के परिदृश्य में जब हमारे दो पड़ोसी देशों क्रमशः चीन तथा पाकिस्तान के पास परमाणु बम मौजूद हैं। देशवासियों की आंतरिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जरूरत इस बात की है कि भारत सरकार ज्यादा-से-ज्यादा बातचीत से सीमा से जुड़े मसलों एवं अन्य समस्याओं का हल निकाले। युद्ध हर मसले का अंतिम हल नहीं होता। रिटायर्ड वाइस एडमिरल शेखर सिन्हा ने "भारत की सुरक्षा एवं नेतृत्व' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री सिन्हा एवं सीयूएसबी के कुलपति प्रो. हरिश्चंद्र सिंह राठौर ने किया।

मुख्य अतिथि को सम्मानित करते सीयूएसबी के कुलपति।

आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में सरकार ने किए बेहतर कार्य

अपने व्याख्यान में श्री सिन्हा ने विश्व मानचित्र की सहायता से देश की आंतरिक सुरक्षा स्थिति के साथ-साथ आर्थिक पहलुओं और दूसरे देशों से होने वाले व्यापार पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 1974 से 2014 तक 40 वर्षों में मेरे कार्यकाल में मैंने राष्ट्रीय तथा वैश्विक स्तर पर सुरक्षा से संबंधित कई पहलुओं से काफी गहराई से रूबरू हुआ, लेकिन मुझे लगता है कि वर्तमान सरकार में देश की आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुआ है। श्री सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कुशल नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि एनडीए सरकार ने सेना के सशक्तिकरण के लिए बड़े-बड़े कदम उठाए हैं, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा काफी मजबूत हुई है। साथ-ही-साथ उन्होंने मोदी सरकार की विदेश नीतियों तथा सुरक्षा से संबंधित लिए गए फैसले जैसे 'सर्जिकल हमले' की प्रशंसा भी की। व्याख्यान में कुलपति सहित प्रति कुलपति प्रो. ओम प्रकाश राय, कुलसचिव प्रो. प्रभात कुमार सिंह एवं विभिन्न विभागों के प्राध्यापक तथा विद्यार्थी मौजूद थे। कार्यक्रम के आयोजन में मीडिया विभाग के अध्यक्ष डॉ. आतिश पराशर, डॉ. सुजीत कुमार, डॉ. रवि सूर्यवंशी, हिंदी अधिकारी प्रतिश दास थे।

Orientation Program of Code Buckets for Placement Drive – 29/4/2022

दैनिक जागरण
पटना, 30 अप्रैल 2022
www.jagran.com
PRO @ CUB.AC.IN
Central University of South Bihar

रोजगार से जुड़े कौशल एवं ज्ञान को और अधिक विकसित करने की आवश्यकता

कोडबकेट्स सोलुन्शंस एवं कालेज देखो संस्थान का प्रतिनिधिमंडल सीयूएसबी पहुंचा

संवाद सहयोगी, टिकारी : प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करने के उद्देश्य कोडबकेट्स सोलुन्शंस प्राइवेट लिमिटेड एवं कॉलेज देखो संस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) कैंपस का दौरा किया। जन संपर्क पदाधिकारी (पीआरओ) सह प्लेसमेंट समन्वयक मो. मुदस्सीर आलम ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह से भेंटकर यूनिवर्सिटी में कैंपस प्लेसमेंट आयोजित करने के संभावनाओं पर चर्चा किया। कुलपति ने प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों के विवि आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी काफी मेधावी हैं और वे अपनी पढ़ाई पूरी कर उनके संस्थान से जुड़ सकते हैं। इस अवसर पर सीयूएसबी के कम्प्यूटर साइंस विभाग के अध्यक्ष डॉ. जयनाथ यादव, डॉ. प्रभात रंजन, डॉ. नेमी चंद्र राठौर एवं डॉ. पीयूष कुमार सिंह मौजूद थे।

टिकारी: सीयूएसबी के वीसी के साथ प्रतिनिधि मंडल • जागरण

वहीं प्लेसमेंट समन्वयक मो. मुदस्सीर आलम ने प्रतिनिधिमंडल को प्लेसमेंट के लिए विवि में उचित संसाधन उपलब्ध कराने की बात कही। इसके पश्चात कोडबकेट्स सोलुन्शंस प्राइवेट लिमिटेड एवं कॉलेज देखो संस्थान का प्रतिनिधिमंडल विवि के विद्यार्थियों से रूबरू हुआ। ओरिएंटेशन कार्यक्रम में प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कौशल एवं उद्यमिता के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में कौशल का होना काफी अनिवार्य है और आज कौशल को विकसित करने के लिए कई तरह के कोर्स उपलब्ध हैं। इसलिए इस बदलते समय एवं चुनौतियों को देखते हुए छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ रोजगार से जुड़े कौशल एवं ज्ञान को अधिक से अधिक विकसित करने की आवश्यकता है। इस तरह के कौशल को विकसित करने में कोडबकेट्स सोलुन्शंस प्राइवेट लिमिटेड एवं कॉलेज देखो जैसे संस्थान जीआईएस, मशीन लर्निंग, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल रियलिटी आदि कोर्स के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार के लिए तैयार करता है।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने करियर विकास की संभावनाओं, बुनियादी कौशल, साक्षात्कार की तैयारी को तकनीकों और खुद को बाजार के लिए तैयार होने के लिए टिप्स दिए।

Webinar on National Girl child Day – 26/1/2022

हिन्दुस्तान
गया • बुधवार • 26 जनवरी 2022

CUSB News

वेबिनार : लैंगिक समानता को ले जिम्मेवार बनें

टिकारी। लैंगिक समानता समाज में पुरुषों एवं महिलाओं में बराबरी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण विषय है। हाल के दशकों में इस ओर विशेष ध्यान दिया गया। समानता को सुनिश्चित करने के लिए समाज के विभिन्न वर्गों से लगातार मांग होती रही है। लेकिन लैंगिक समानता की मांग करते समय हमें पूर्णतः जिम्मेदार होना चाहिए।

ये बातें राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ. ज्योति राज ने दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस और पराक्रम दिवस पर आयोजित विशेष वेबिनार में कहीं।

सीयूएसबी के डीएसडब्ल्यू प्रो. आतिश पाराशर और आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. वेंकटेश सिंह ने महिला सशक्तीकरण के लिए की जाने वाली प्रमुख पहल के लिए उपस्थित छात्राओं की सराहना की। राष्ट्रीय बालिका दिवस को चिह्नित करने के लिए, विश्वविद्यालय की दो छात्राओं क्रमशः कृतिका सिंह और रिचा सांभरी को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बुद्धेन्द्र सिंह द्वारा माई डॉटर, माई प्राइड पर एक नोट के साथ धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

Open Mic Programme under Azadi Ka Amrit Mahotsav – 18/8/2022

दैनिक जागरण पटना, 18 अगस्त, 2022

PRO @ CUB.AC.IN
Central University of South Bihar

सीयूएसबी के छात्रावास में गीत व कविता प्रतियोगिता

ओपन माइक कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्राएं व अतिथि। ● जागरण

संवाद सहयोगी, टिकारी : दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास मैत्रेयी सदन में आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत ओपन माइक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। देशभक्ति गीत, कहानी, कविता पाठ आदि आयोजित प्रतियोगिता में छात्रावास की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्रावास की चीफ वार्डन डा. रचना विश्वकर्मा ने किया। सर्वप्रथम सान्या तथा वैष्णवी ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। तत्पश्चात श्रिया एवं अंजली ने कविता पाठन तथा समृद्धि, प्रीति कुमारी, सोनम तथा प्रीति ने अपने गायन से सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में सोनम, अंबिका तथा सुरुचि ने सजावट का कार्य संभाला। कार्यक्रम का आयोजन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. पवन मिश्रा के निर्देशन में चीफ वार्डन डा. रचना विश्वकर्मा द्वारा किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए प्रतिभागियों को बधाई दी। मंच का संचालन सादिया मेहर व रिया राय ने किया।

Matribhasha – 21/2/2022

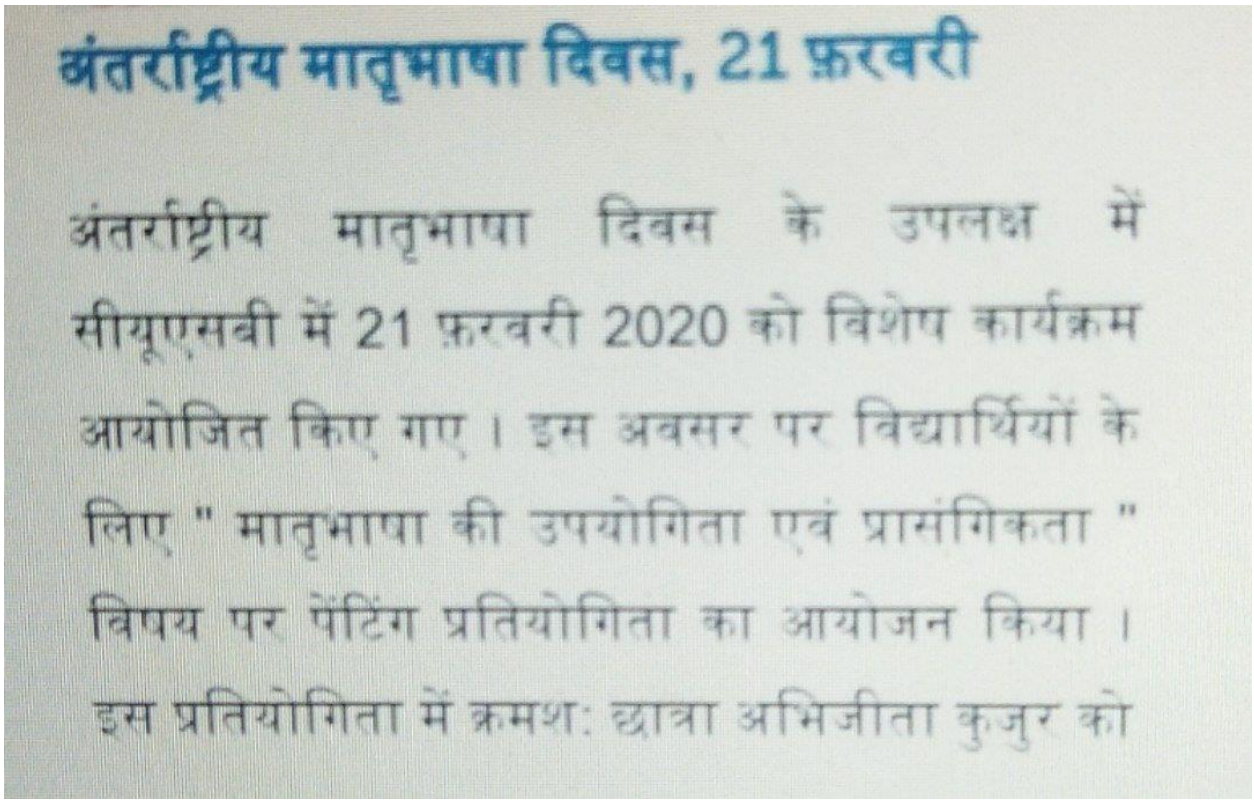

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस, 21 फ़रवरी

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष में सीयूएसवी में 21 फ़रवरी 2020 को विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए " मातृभाषा की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता " विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में क्रमश: छात्रा अभिजीता कुजुर को

Sahitya Sanskrit Paricharcha – 29/1/2021

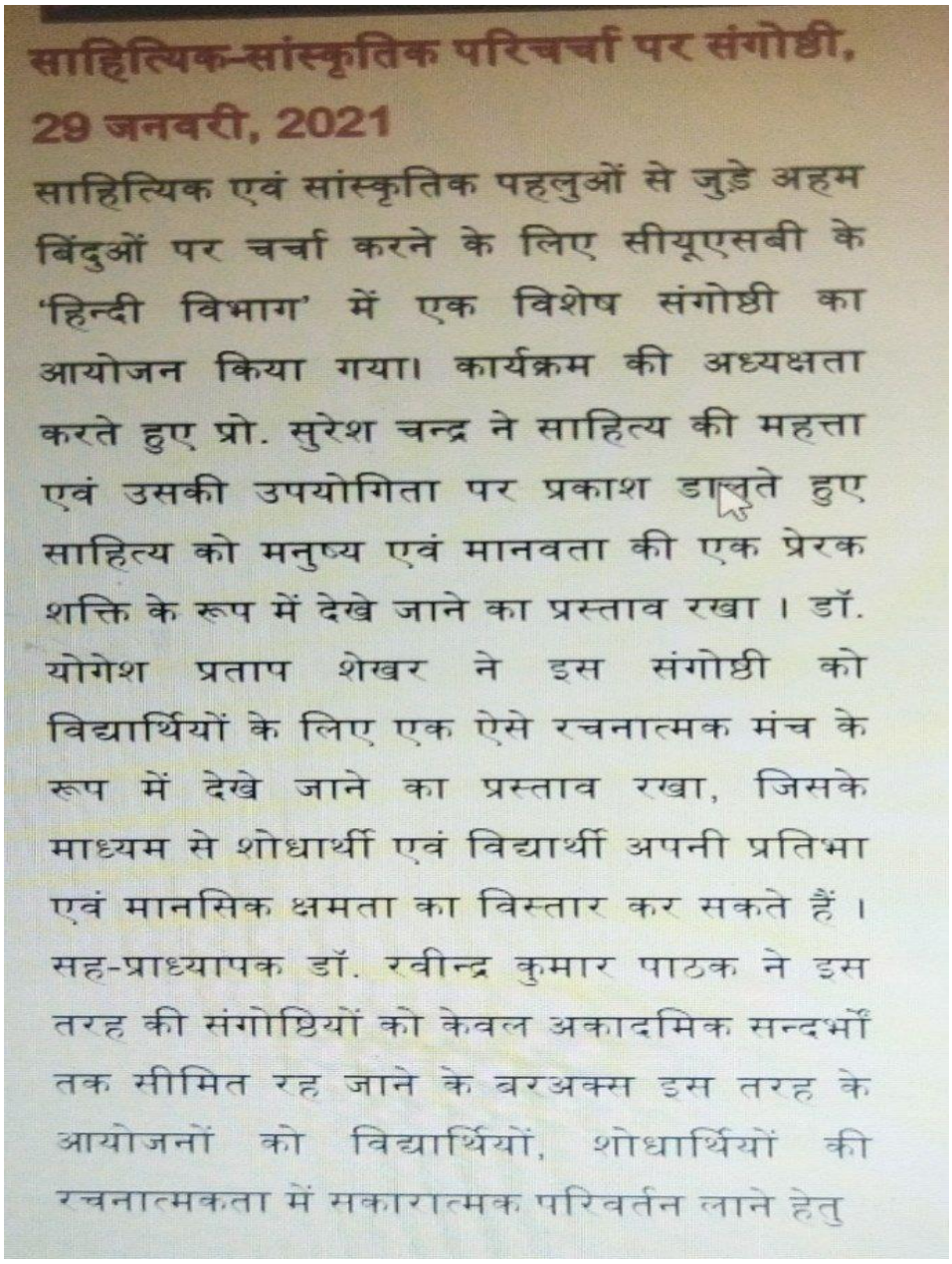

साहित्यिक-सांस्कृतिक परिचर्चा पर संगोष्ठी, 29 जनवरी, 2021

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं से जुड़े अहम बिंदुओं पर चर्चा करने के लिए सीयूएसबी के 'हिन्दी विभाग' में एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. सुरेश चन्द्र ने साहित्य की महत्ता एवं उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए साहित्य को मनुष्य एवं मानवता की एक प्रेरक शक्ति के रूप में देखे जाने का प्रस्ताव रखा। डॉ. योगेश प्रताप शेखर ने इस संगोष्ठी को विद्यार्थियों के लिए एक ऐसे रचनात्मक मंच के रूप में देखे जाने का प्रस्ताव रखा, जिसके माध्यम से शोधार्थी एवं विद्यार्थी अपनी प्रतिभा एवं मानसिक क्षमता का विस्तार कर सकते हैं। सह-प्राध्यापक डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक ने इस तरह की संगोष्ठियों को केवल अकादमिक सन्दर्भों तक सीमित रह जाने के बरअक्स इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोधार्थियों की रचनात्मकता में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु